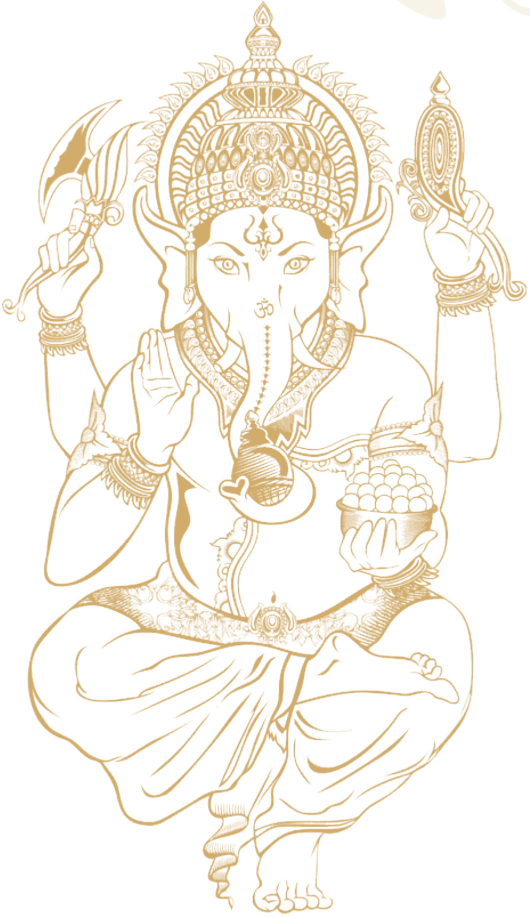

Kushi jain

09 May 2002

06:07 AM

Agra

Model: Baby-Horoscope

Order No: 121630301

तिथि 09/05/2002 **समय** 06:07:00 **वार** गुरुवार **स्थान** Agra **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:53:06
अक्षांश 27:09:00 उत्तर **रेखांश** 78:00:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:18:00 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	20:55:39 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:03:33 घं	योनि	गौ
सूर्योदय	05:34:02 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	18:55:18 घं	वर्ण	विप्र
चैत्रादि संवत	2059	वश्य	जलचर
शक संवत	1924	वर्ग	सिंह
मास	वैशाख	युँजा	अन्त्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	जल
तिथि	12	जन्म नामाक्षर	त्र--
नक्षत्र	उ०भाद्रपद	पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-लौह
योग	विष्कुम्भ	होरा	गुरु
करण	तैतिल	चौघड़िया	शुभ

विंशोत्तरी		योगिनी	
शनि 0वर्ष 8मा 26दि		भद्रिका 0वर्ष 2मा 10दि	
केतु		पिंगला	
03/02/2020		18/07/2024	
03/02/2027		19/07/2026	
केतु	01/07/2020	पिंगला	28/08/2024
शुक्र	01/09/2021	धान्या	28/10/2024
सूर्य	06/01/2022	भ्रामरी	17/01/2025
चन्द्र	08/08/2022	भद्रिका	28/04/2025
मंगल	04/01/2023	उल्का	28/08/2025
राहु	22/01/2024	सिद्धा	17/01/2026
गुरु	28/12/2024	संकटा	29/06/2026
शनि	06/02/2026	मंगला	19/07/2026
बुध	03/02/2027		

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			02:43:57	वृष	कृतिका	2	सूर्य	गुरु	---	0:00			
सूर्य			24:20:31	मेष	भरणी	4	शुक्र	बुध	उच्च राशि	1.70	आत्मा	पितृ	क्षेम
चंद्र			16:08:50	मीन	उ०भाद्रपद	4	शनि	गुरु	सम राशि	1.28	ज्ञाति	मातृ	जन्म
मंगल			23:12:00	वृष	रोहिणी	4	चंद्र	सूर्य	सम राशि	1.22	अमात्य	भ्रातृ	साधक
बुध			14:11:34	वृष	रोहिणी	2	चंद्र	गुरु	मित्र राशि	1.23	कलत्र	ज्ञाति	साधक
गुरु			18:22:26	मिथु	आर्द्रा	4	राहु	चंद्र	शत्रु राशि	1.40	पुत्र	धन	मित्र
शुक्र			22:13:32	वृष	रोहिणी	4	चंद्र	शुक्र	स्वराशि	1.27	भ्रातृ	कलत्र	साधक
शनि			20:34:23	वृष	रोहिणी	4	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि	0.99	मातृ	आयु	साधक
राहु	व		24:17:58	वृष	मृगशिरा	1	मंगल	राहु	मित्र राशि		---	ज्ञान	वध
केतु	व		24:17:58	वृश्चि	ज्येष्ठा	3	बुध	राहु	मित्र राशि		---	मोक्ष	सम्पत

लग्न-चलित

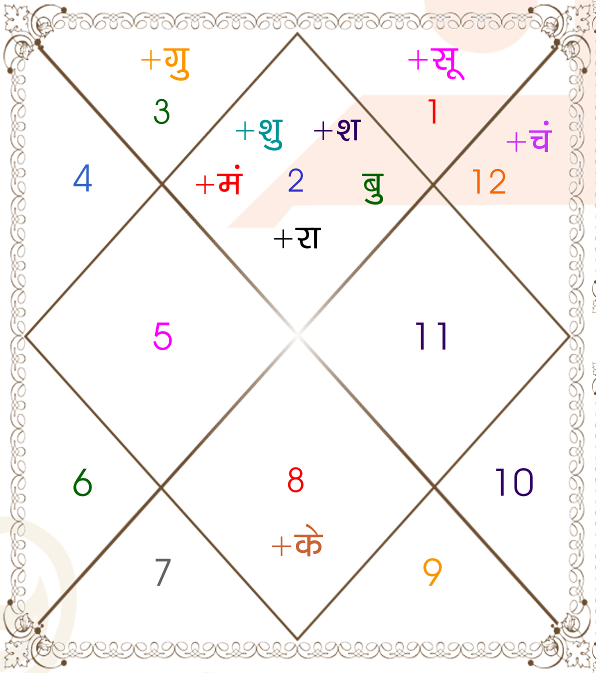

चन्द्र कुंडली

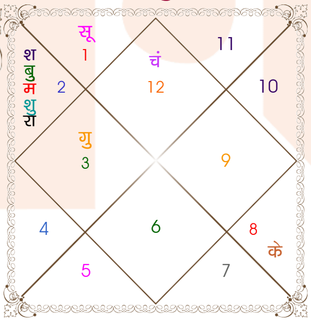

नवमांश कुंडली

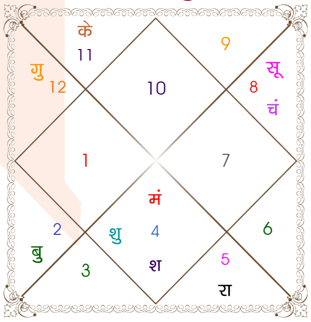

सर्वाष्टकवर्ग

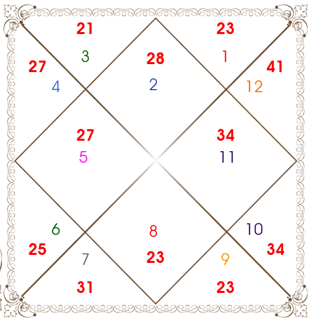

दशमांश कुंडली

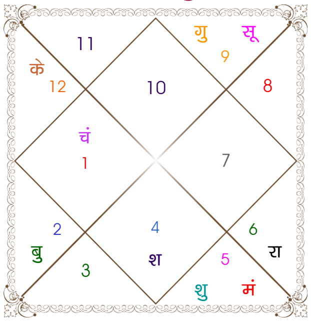

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

नक्षत्रफल

आप उत्तराभाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में उत्पन्न हुई हैं। अतः आपकी जन्मराशि मीन तथा राशिस्वामी वृहस्पति होगा। नक्षत्र के अनुसार आपका गण मनुष्य, वर्ण ब्राहमण, नाड़ी मध्य, योनि गो तथा वर्ग सिंह होगा। नक्षत्र के चतुर्थ चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "ज" अक्षर से होगा यथा- जया, जसोदा आदि।

आप अपने परिवार या कुल में श्रेष्ठ रहेंगी एवं सभी परिवारिक जन आपको हार्दिक स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे। आप शारीरिक रूप से मध्यम कद की रहेंगी तथा आपका स्वरूप सुन्दर एवं आकर्षक रहेक्षा। सत्कार्यों को करने के लिए आप नित्य रूचिशील रहेंगी एवं प्रयत्नपूर्वक इनको करती रहेंगी। इससे अन्य सामाजिक लोग भी लाभान्वित होंगे एवं आपसे प्रसन्न रहेंगे। धनैश्वर्य से आप हमेशा सुसम्पन्न रहेंगी तथा जीवन में प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करके सुखानुभूति प्राप्त करेंगी। साथ ही एक धनाढ्य महिला के रूप में समाज में आपकी ख्याति रहेगी। आप में अभिमानी भाव भी रहेगा तथा यदा कदा आप अन्य सामाजिक तथा परिवारिक जनों के समक्ष इसका प्रदर्शन करेंगी। इससे अन्य लोग आपसे असन्तुष्ट भी होंगे फिर भी समाज में आप पूर्ण प्रख्यात रहेंगी।

कुलस्य मध्येऽधिकभूषणं च नात्युच्चदेहः शुभकर्मकर्ता।
यस्तोत्तराभाद्रपदा च जन्यां धन्यो भवेन्मानधनो वदान्यः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् उत्तराभाद्रपद में उत्पन्न जातक कुल में श्रेष्ठ, मध्यम देह वाला, शुभकर्मों को करने वाला, धनाढ्य, अभिमानी और कीर्तिशाली होता है।

आप सत्वगुणों से सर्वदा सुशोभित रहेंगी एवं जीवन में हमेशा इनका अनुपालन करती रहेंगी। आप के हृदय में त्याग का भाव भी सर्वदा विद्यमान रहेगा तथा सामाजिक जनों एवं परिवारिक जनों के प्रति आप अवसरानुकूल इस प्रवृति का दृढता से अनुपालन करेंगी। आप धनवान भी होंगी तथा विभिन्न शास्त्रों के ज्ञानार्जन में भी आप नित्य रूचिशील तथा प्रयत्नशील रहेंगी तथा एक श्रेष्ठ विदुषी के रूप में समाज में प्रसिद्ध रहेंगी।

चाहिर्बुध्न्यजमानवो मृदुगुणस्त्यागी धनी पंडितः।
जातक परिजातः

अर्थात् उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में उत्पन्न जातक मृदुगुणों से सम्पन्न अर्थात् सात्विक, धनी, त्यागी और पंडित होता है।

आप एक कुशलवक्ता सोंगी तथा अपने प्रभाव पूर्ण वक्तव्यों से अन्य सभी जनों को प्रभावित करने में पूर्ण सफल रहेंगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक सुखसंसाधनों से भी आप सुसम्पन्न रहेंगी तथा जीवन में प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगी। आप विशाल परिवार की स्वामिनी होंगी एवं जीवन में पुत्र पौत्रादि का सुख प्राप्त करने में भाग्यशाली रहेंगी। शत्रु वर्ग को

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

पराजित तथा भयभीत करने में आप पूर्ण रूपेण समर्थ रहेंगी तथा वे सभी आपका विरोध करने में सर्वदा असमर्थ रहेंगे। इसके साथ ही आप धार्मिक प्रवृति की महिला होंगी एवं नित्य धर्माचरण करने में तत्पर रहेंगी।

वक्ता सुखी प्रजावान जितशत्रुधार्मिको द्वितीयासु।
बृहज्जातकम्

अर्थात् उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र का जातक वक्ता, जीवन में सुखी, बहुत पुत्र एवं पौत्रों से युक्त, शत्रुओं को जीतने वाला तथा धार्मिक आचरण से सम्पन्न होता है।

समाज में आप एक गौरवशाली महिला रहेंगी तथा समाज में अपने सद्गुणों तथा सत्कर्मों से सर्वदा गौरव अर्जित करेंगी। धर्म के विषय में आपको अच्छा ज्ञान रहेगा। साथ ही आपकी प्रवृति साहस से युक्त रहेगी तथा साहसिक कार्यो को करने के लिए आप प्रायः उत्सुक एवं तत्पर रहेंगी तथा अपने अधिकांश सांसारिक कार्यो को साहस पूर्वक ही सम्पन्न करेंगी।

गौरः ससत्वो धर्मज्ञः शत्रुघाती परामरः।
उत्तराभाद्रपदजो नरः साहिसको भवेत।।
मानसागरी

अर्थात् उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में पैदा हुआ मनुष्य गौरवर्ण, धर्म का ज्ञाता, शत्रुओं का नाश करने वाला, देवताओं के तुल्य, सत्वगुण प्रधान एवं साहसी होता है।

आप स्वर्ण पाद में पैदा हुई हैं। स्वर्ण पाद में पैदा होने के कारण जातक कई प्रकार से जीवन में दुःख एवं कष्ट प्राप्त करता है तथा इसमें उसका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहता एवं धनाभाव से भी नित्य दुःखी रहता है। साथ ही जीवन में उसे सुखसंसाधनों की भी अल्पता रहती है। जिससे उसके मन में नित्य तनाव व्याप्त रहता है। साथ ही प्रत्येक क्षेत्र में उसे अत्याधिक परिश्रम के द्वारा ही सफलता अर्जित हो सकती है। परन्तु आपकी जन्म कुण्डली में चन्द्रमा शुभ वर्ग में स्थित है। अतः इससे आपको अशुभ फल अल्प तथा शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे।

अतः आप जीवन में सम्पूर्ण सुखसंसाधनों से युक्त रहेंगी तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगी। साथ ही धन ऐश्वर्य एवं नौकर चाकरों से भी आप सम्पन्न रहेंगी। आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा एक धनवान महिला के रूप में समाज में ख्याति अर्जित करेंगी। सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे। आप विभिन्न प्रकार के वाहनादि से भी सुशोभित रहेंगी। आप हमेशा सद्गुणों से सुसम्पन्न रहेंगी। आपके पति तथा पुत्र भी सुन्दर गुणवान एवं सम्मानित रहोंगे। साथ ही सेवक गण भी गुणसम्पन्न होंगे। आपकी आयु दीर्घायु होगी तथा आपके लिए लाभमार्ग हमेशा प्रशस्त रहेंगे। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा शारीरिक कान्ति भी दर्शनीय रहेगी। इसके अतिरिक्त पुत्रादि सुख को आप प्राप्त करने में भी सौभाग्यशाली रहेंगी।

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

मीन राशि में उत्पन्न होने के कारण आप एक सुन्दर तथा आकर्षक व्यक्तित्व की महिला होंगी। आपका मस्तक विशाल तथा नाक ऊंची होगी। आपकी आखें भी सुन्दर एवं आकर्षक होंगी तथा शरीर के समस्त अंग पुष्ट सुडौल एवं सुन्दर रहेंगे। आपकी कमर भी पतली होगी। चित्रकारी के प्रति आपके मन में स्वभाविक रूचि रहेगी एवं परिश्रमपूर्वक आप इसमें इच्छित सफलता तथा ख्याति अर्जित करेंगी। आपके शत्रु आपसे हमेशा पराजित रहेंगे एवं आपका विरोध करने में वे सर्वदा असमर्थ रहेंगे। आप एक विदुषी महिला होंगी एवं विभिन्न प्रकार के शास्त्रों का परिश्रम पूर्वक अच्छा ज्ञान प्राप्त करेंगी। साथ ही संगीत शास्त्र के प्रति आपका रूझान रहेगा एवं नित्य इसमें भी आप अभ्यास रत रहेंगी। आप धार्मिक प्रवृतियों का नित्य नियमानुसार अनुपालन करने में तत्पर रहेंगी। पुरूष वर्ग में भी आप प्रिय तथा आदरणीय रहेंगी तथा कई लोगों से आपके परस्पर मधुर तथा मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे। आपकी वाणी अत्यन्त ही मधुर तथा कोमलता के भाव से युक्त रहेगी जिससे श्रोता तथा अन्य लोग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। आपको जीवन में विविध प्रकार के सुखसंसाधनों की भी प्राप्ति होगी तथा इनका आप प्रसन्नतापूर्वक उपभोग करेंगी। क्रोध की भी आप में न्यूनता रहेगी एवं सरकारी सेवा में भी आप नियुक्त रहेंगी। भूमि के अन्दर से निकाले गये द्रव्यों से आप आजीविका अर्जन करेंगी तथा इनसे आपको आवश्यक लाभ की भी प्राप्ति होगी। पति को आप पूर्ण रूप से अपने नियंत्रण में रखेंगी तथा वे सभी आवश्यक कार्यो को आपके कथनानुसार तथा सलाह से ही सम्पन्न करेंगे। आप स्वभाव से भी अच्छी रहेंगी। समुद्री जहाज या नावादि में सैर करने में आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त आप एक दानशील महिला होंगी एवं सामाजिक दीन दुःखियों तथा जरूरत मन्द लोगों को अपनी इस प्रवृति से कृतार्थ करेंगी।

शिल्पोत्पन्नाधिकरोळहितजयनिपुणः शास्त्रविच्चारूदेहो।
गेयज्ञो धर्मनिष्ठो बहुयुवतिरतः सौख्यभाक् भूपसेवी।।
ईष्टत्कोपो महत्कः सुखनिधिधनभाक् स्त्रीजितः सत्स्वभावो।
यानासक्तः समुद्रे तिमियुगलगते शीतगौ दानशीलः।।
सारावली

आप समुद्र या जल से उत्पन्न द्रव्यों तथा रत्नों आदि से युक्त रहेंगी एवं इनसे आपको आशातीत लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही आप अपने जीवन में किसी अन्य व्यक्ति, मित्र, संबंधी की धन सम्पत्ति को भी अर्जित करेंगी तथा उसका सुख पूर्वक उपभोग भी करेंगी। आप हमेशा नए तथा सुन्दर वस्त्रों की शौकीन रहेंगी एवं इनके प्रति आपकी मन में आसक्ति की प्रबलता रहेगी। साथ ही आप मध्यम कद की सुन्दर महिला होंगी।

जलपरधनभोक्ता दारवासोळनुरक्तः।
समरूचिरशरीरस्तुङ्गनासो बृहत्कः।।
अभिभवति सपत्नान् स्त्रीजितश्चारूदृष्टिः।
द्युतिनिधि धनभोगी पंडितश्चान्त्यराशौ।।
बृहज्जातकम्

आप हमेशा जल पीने की बार बार इच्छा करेंगी। आपका अपने पति पर पूर्ण

विश्वास रहेगा तथा उनसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी फलतः आपका गृहस्थ जीवन अत्यन्त ही आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा। आप में विद्वता का भाव भी पूर्ण रूप से रहेगा एवं कृतज्ञता के भाव से भी आप परिपूर्ण रहेंगी अतः अन्य जनों से उपकृत होने पर उनका उपकार स्वीकार करेंगी तथा उनका हार्दिक आभार भी प्रकट करेंगी। इससे सभी लोग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप एक भाग्यशाली महिला होंगी तथा आपके अधिकांश कार्य अल्प परिश्रम से भाग्यबल से ही सम्पन्न होंगे।

अत्यम्बुपानः समचारुदेहः स्वदारगस्तोयजवित्तभोक्ता।
विद्वान्कृतज्ञो ऽभिभवत्यऽमित्रान् शुभेक्षणो भाग्ययुतोऽन्त्यराशौ।।
फलदीपिका

आप एक संयमी महिला होंगी तथा इन्द्रियों पर पूर्ण नियंत्रण करके संयमशील जीवन व्यतीत करेंगी। आप सत्वगुणी महिला होंगी एवं नित्य इनका अनुपालन करती रहेंगी। आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य चतुराई तथा बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे अतः लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। जलक्रीड़ा करने के प्रति आपकी हार्दिक रूचि रहेगी अतः इसके लिए आप सर्वदा उद्यत तथा तत्पर रहेंगी एवं इसको सम्पन्न करके अत्यन्त ही प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। आप निर्मल बुद्धि से युक्त रहेंगी एवं सबके साथ निःस्वार्थ भाव से व्यवहार करेंगी तथा किसी भी धोखे से आप दूर ही रहेंगी।

शशिनि मीनगते विजितेन्द्रियो बहुगुणः कुशलो जललालसः।
विमलधीः किल शस्त्रकलादरस्त्व बलताबलताकलितो नरः।।
जातकाभरणम्

आप अपने अधिकांश समय को उदरपोषणादि के कार्यों में ही व्यतीत करेंगी। साथ ही यदा कदा आपके लाभ मार्ग भी अवरुद्ध होंगे जिससे आपको आर्थिक कठिनाई का सामना भी करना पड़ेगा। आप कान्तिमय शरीर से युक्त रहेंगी तथा इससे आपकी सुन्दरता एवं व्यक्तित्व के आकर्षण में वृद्धि होगी। पिता से आपको धन सम्पत्ति की प्रप्ति होगी एवं जीवन में सुखपूर्वक आप इसका उपभोग करेंगी। आप एक साहसी महिला होंगी तथा पराक्रमी तथा साहसी कार्यो को करने के लिए सर्वदा उद्यत रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप को जो भी उपलब्धि होगी उसी में सन्तुष्ट तथा प्रसन्न भी रहेंगी।

जलचरधनभोक्ता मोहयुक्तोऽप्रशस्तः।
उदरभरणदेहस्तुङ्गमांसो ऽध्यः।।
अभिलषति सपत्नी स्त्रीजितश्च चारुकान्तिः।
पितृधनजनभोगी पीडितो मीनराशिः।
तुष्टः साहसी क्रोधयुक्तः मीनराशिर्मनुष्यः।।
जातकदीपिका

आप गम्भीर स्वभाव की महिला होंगी तथा नित्य शौर्योचित गुणों से सुसम्पन्न रहेंगी। समाज के सभी वर्गो में आपका पूर्ण प्रभुत्व रहेगा एवं इनके मध्य आप अत्यन्त ही

लोकप्रिय रहेंगी। आप में कृपणता का भाव भी विद्यमान रहेगा तथा धन संचय के प्रति अधिक प्रवृत रहेंगी। इससे कभी कभी आपके प्रियजनों को आपसे परेशानी होगी। आप अपने परिवार में सर्वप्रिय तथा श्रेष्ठ रहेंगी तथा समस्त परिवारिक जनों से स्नेह एवं सम्मान की भी प्राप्ति होगी। आपकी प्रवृति शीघ्र गति से चलने की रहेगी । आप का चाल चलन भी उत्तम रहेगा जो अन्य जनों के लिए प्रशंसनीय तथा अनुकरणनीय रहेगा। आप सेवाकार्यों के प्रति भी उत्सुक रहेंगी एवं प्रायः इसमें अपना समय अर्पण करेंगी। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग से आपको अत्यन्त ही मान सम्मान तथा स्नेह की प्राप्ति भी होगी।

गम्भीरचेष्टितः शूरः पटुवाक्यो नरोत्तमः।
कोपनः कृपणो ज्ञानी गुणश्रेष्ठः कुल प्रियः।।
नित्यसेवी शीघ्रगामी गाधंर्वकुशलः शुभः।।
मीन राशौ समुत्पन्नौ जायते बन्धुवत्सलः।।
मानसागरी

इस प्रकार आप एक आकर्षक व्यक्तित्व की सुन्दर एवं गुणों से सम्पन्न महिला होंगी तथा कई शास्त्रों के ज्ञानार्जन से आप विदुषी के रूप में प्रतिष्ठित रहेंगी। इसके अतिरिक्त समाज में अन्य कई लोगों से भी आपकी मित्रता तथा मधुर संबंध रहेंगे।

मीनस्थे मृगलात्रछने वरतनुर्विद्वान बहुस्त्रीपतिः।।
जातक परिजातः

मनुष्य गण में जन्म होने के कारण आप धार्मिक प्रवृति की महिला होंगे तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव रहेगा तथा समयानुसार आप इनकी पूजा तथा सेवा करती रहेंगी। आपकी प्रवृति अभिमानी भी रहेगी तथा समय समय पर आप अपनी इस प्रवृति का अन्य जनों के समक्ष प्रदर्शन भी करेंगी। साथ ही आप दया एवं करूणा के भाव से भी युक्त रहेंगी। आप कई प्रकार के कार्यों तथा कलाओं में भी निपुण होंगी तथा इसके द्वारा समाज में पूर्ण सम्मान तथा ख्याति भी अर्जित करेंगी। आप में शारीरिक बल भी पूर्ण रूप से विद्यमान रहेगा तथा अपने परिवार के अतिरिक्त अन्य कई लोगों का आपके द्वारा पालन पोषण होगा तथा उनको सुख प्रदान करेंगी।

समाज में आप सर्वदा आदरणीय तथा सम्माननीय रहेंगी तथा अतुल धन सम्पत्ति से युक्त रहकर जीवन में इसका उपभोग करेंगी। साथ ही आपके नेत्र भी विशाल तथा सुन्दर होंगे एवं निशाने बाजी की कला में आप अत्यन्त ही निपुण रहेंगी तथा इस क्षेत्र में सफलता एवं ख्याति भी अर्जित कर सकेंगी। इसके अतिरिक्त सभी नगरवासियों पर आपका पूर्ण प्रभाव रहेगा तथा वे आपकी आज्ञा पालन करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

अर्थात् मनुष्य गण में उत्पन्न जातक ब्राह्मण तथा देवताओं का भक्त, अभिमानी, दयालु, बलवान, कला का ज्ञाता, विद्वान, कान्तियुक्त तथा बहुत से मनुष्यों को सुख तथा आश्रय प्रदान करने वाला होता है।

गो योनि में उत्पन्न होने के कारण आप पुरूष वर्ग के मध्य अत्यन्त ही प्रिय एवं आदरणीय रहेंगी तथा इनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सहायता प्राप्त होती रहेगी। आप उत्साह से सम्पन्न महिला होंगी तथा अपने अधिकांश सांसारिक कार्यों को सोत्साह सम्पन्न करके उनमें सफलता प्राप्त करेंगी। वाद विवाद आदि कार्यों में भी आप अत्यन्त ही निपुण रहेंगी तथा अपने सार्थक तर्कों से अन्य जनों को प्रभावित करेंगी अतः अधिकांश लोग आप की बातों से सहमत होंगे तथा आपका कहना भी मानेंगे।

स्त्रीणां प्रियः सदोत्साही बहुवाक्य विशारदः।
स्वल्पायुश्चनरो जातः गो योनौ न सशंयः।।
मानसागरी

अर्थात गोयोनि में उत्पन्न जातक स्त्रियों का प्रिय, सदा उत्साह में रहनेवाला, वादविवाद में चतुर एवं अल्पायु होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा एकादश भाव में स्थित है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं आयु भी लम्बी होगी। आपके प्रति उनके मन में विशेष वात्सल्य का भाव भी विद्यमान रहेगा। जीवन में वे प्रत्येक क्षेत्र में आपका यत्नपूर्वक पूर्ण सहयोग करती रहेंगी। आपके आर्थिक साधनों की अभिवृद्धि में उनका पूर्ण सहयोग रहेगा। साथ ही मातृपक्ष से भी आप पूर्ण आर्थिक लाभ एवं अन्य प्रकार से सुखार्जन करेंगी।

आप की भी माता के प्रति हार्दिक श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेंगी एवं उनकी आज्ञा पालन के लिए भी आप प्रायः तत्पर रहेंगी। जीवन में आप हर प्रकार से उनकी सहायता एवं सहयोग भी करेंगी तथा अवसरानुकूल उनको आर्थिक सहयोग भी प्रदान करेंगी। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे तथा आपसी मतभेद अत्यन्त ही अल्प मात्रा में रहेंगे।

आपके जन्म समय में सूर्य द्वादश भाव में स्थित है अतः आपके पिता का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं समय समय पर वे शारीरिक रूप से अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। आपके प्रति उनके मन में स्नेह का भाव रहेगा एवं जीवन में हमेशा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपकी सहायता करते रहेंगे। साथ ही उनकी प्रवृति पुण्य एवं दान संबंधी कार्यों को करने की रहेगी अतः आपको भी वे पुण्य कार्यों की ओर प्रेरित करेंगे। साथ ही धन सम्पत्ति से भी वे युक्त रहेंगे।

आपकी भी उनके प्रति पूर्ण आदर की भावना रहेगी एवं उनकी आज्ञा का पालन करने के लिए भी आप तत्पर रहेंगी। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों से संबंधों में कटुता या तनाव उत्पन्न होगा परन्तु कुछ समय के बाद स्वतः ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। जीवन में आप उनके सुख दुःख का भी ध्यान रखेंगी एवं समयानुसार उनको पूर्ण सहयोग तथा सहायता भी प्रदान करेंगी एवं अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार से कोई कष्ट

नहीं होने देंगी।

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति प्रथम भाव में स्थित है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं यदा कदा शारीरिक व्याकुलता से वे पीड़ित रहेंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह का भाव भी विद्यमान रहेगा। धन धान्य से वे युक्त रहेंगे तथा जीवन में समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में वे आपको अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से समय समय पर आपको आर्थिक सहयोग भी प्रदान करेंगे।

आपके हृदय में भी उनके प्रति स्नेह एवं सम्मान की भावना विद्यमान रहेगी। आपके संबंध प्रायः मधुर ही होंगे लेकिन यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों के कारण अल्प समय के लिए संबंधों में कटुता या तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु कुछ समय के बाद सब कुछ स्वतः ही ठीक हो जाएगा। आप एक दूसरे से प्रायः सहमत रहेंगे एवं विश्वास भी करेंगे। इसके साथ ही आप भी हमेशा सुख दुःख में यथाशक्ति उनकी सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगी एवं अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार की कष्टानुभूति नहीं होने देंगी।

आपके लिए फाल्गुन मास, पंचमी, दशमी, पौर्णमासी तिथियाँ, आश्लेषा नक्षत्र, वज्रयोग, शुक्रवार, चतुर्थ प्रहर तथा कुम्भ राशिस्थ चन्द्रमा सदैव अशुभ फलदायक रहेंगे। अतः आप 15 फरवरी से 14 मार्च के मध्य 5,10,15 तिथियों, आश्लेषा नक्षत्र, वज्रयोग तथा विष्टि करण में कोई भी शुभ कार्य, व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रय विक्रयादि अन्य शुभ कार्य सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही शुक्रवार, चतुर्थ प्रहर तथा कुम्भ राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित ही रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति भी सावधान रहें।

यदि आपके लिए समय प्रतिकूल चल रहा हो मानसिक तथा शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति में असफलता तथा अन्य शुभ कार्यों में असफलता की प्राप्ति हो रही हो तो ऐसे समय में आपको अपनी इष्ट देवी जगदम्बा माता की आराधना करनी चाहिए तथा नियमित रूप से वृहस्पति वार के उपवास भी करने चाहिए। साथ ही सोना, पीत पुखराज, पीत चन्दन, पीत वस्त्र, हल्दी, चने की दाल आदि पदार्थों का किसी सुपात्र को दान देना चाहिए। इसके अतिरिक्त वृहस्पति के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 16000 जप किसी योग्य विद्वान के द्वारा सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे आपकी मानसिक चिन्ताएं दूर होंगी तथा सर्वत्र लाभमार्ग प्रशस्त होंगे।

ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रों सः वृस्पतये नमः।
मंत्र- ऊँ ऐं क्लीं वृहस्पतये नमः।

Pulak Sagarm
T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com